VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (2929)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 516283

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Anurag Ranjan Vatal

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

तारीख
Date
24/08/24

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)
GENERAL STUDIES (Paper II)

केंद्र
Centre
Mukherjee Nagar

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

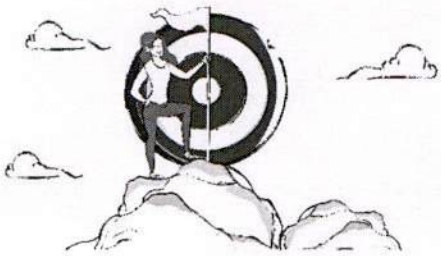

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (2929)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. असहमति की अभिव्यक्ति संसद के कामकाज का केंद्रीय तत्व है। इसके आलोक में, भारत की संसदीय व्यवस्था में विपक्ष के नेता (LoP) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Expression of dissent is central to the functioning of the Parliament. In light of this, discuss the role of the Leader of Opposition (LoP) in India's parliamentary system. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संसद का निर्माण विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों द्वारा होता है जोकि चुनाव जीत कर आते है। इसमें सरकार के पक्ष के सदस्य तथा विपक्ष के दोनो सदस्य होते है।

असहमति की अभिव्यक्ति का संसद के कामकाज में महत्व -

1) संसद में सरकारी विधेयको पर व्यापक चर्चा हेतु सरकार को मजबूर करते है।

2) किसी सरकारी नीति या योजना या विधेयक पर असहमति व्यक्त करने पर इसको जाँच 'स्थायी संसदीय समिति' द्वारा होती है।

3) असहमति व्यक्त करने हेतु विपक्ष विभिन्न युक्तियों का प्रयोग करता है - प्रश्नकाल में प्रश्न पूछकर,

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाकर, अविश्वास प्रस्ताव लाकर, किसी मुद्दे को JPC में भेजकर, बजट पर चर्चा करके आदि।

4) असहमति की अभिव्यक्ति जनता के प्रश्नों व समस्याओं से संसद को अवगत कराया जाता है।

संसदीय व्यवस्था में LOP की भूमिका

1) LOP को 'कैबिनेट मंत्री' का दर्जा दिया जाता है। अतः वह सरकार के मंत्री के बराबर शक्तियाँ रखता है जिसके कारण वह सरकार की नीतियों व योजनाओं के संबंध में वह सरकार के उत्तरदायित्व को व्यापक स्तर पर प्रभावित करता ~~सकता~~ है।

2) सदन में विपक्षी दलों ~~के~~ विचारों व मतों को सदन के समक्ष प्रस्तुत करता है।

3) महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों को सदन के समक्ष रखता है

4) बजट, आदि पर सरकार से व्यापक प्रश्न करता है।

LOP का संसदीय व्यवस्था में अत्यधिक महत्व है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. न्यायिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी का समावेशन न्याय प्रदायगी के संदर्भ में पहुंच, क्षमता और दक्षता को किस प्रकार बढ़ा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the integration of technology into judicial processes enhance accessibility, capability, and efficiency in justice delivery? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ADR के अनुसार भारतीय न्यायालय में लगभग 5 करोड़ केसेस लंबित है जिसके कारण न्याय प्रदायगी में देरी हो रही है।

उपरोक्त समस्या समाधान में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

न्यायिक प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी का महत्व-

1) 'ई-फाइलिंग' सुविधा से अधिकतम लोगो को कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा और पहुंच भी बढ़ जायेगा।

2) 'वीडियो-कांफ्रेंसिंग' से न्याय-निर्णयन होने पर प्रशासन, न्यायालय तथा प्रभावित पक्ष अपने बचे हुए कार्य को समय दे पायेंगे।

3) 'e-court' के माध्यम से लोगो अपने केस की स्थिति संबंधी 'update' को देख पायेंगे तथा

कोर्ट में लगने वाली भीड़ व उससे जनित समस्या कम होगी। परिणामतः (क्षमता निर्माण) में वृद्धि होगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रौद्योगिकी विस्तार हेतु किये गए प्रयास

i) e-'क्रान्ति' पहल के तहत न्यायालय में भी e-governance को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ii) गुजरात कोर्ट द्वारा 'न्यायिक संबंधी' update हेतु 'e-clock' का अनावरण किया गया है

iii) विभिन्न HC व SC द्वारा व्यापक न्यायिक चर्चा हेतु e (e-court' व 'Live court') की सुविधा प्रदान की गयी है,

ये सारे प्रयास न्यायपालिका की क्षमता व दक्षता में वृद्धि करेगी तथा न्यायपालिका में (पेंडिंग केसेस) को हल करने में सहायता प्रदान करेंगी।

3. भारत के उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीकृत सत्ता एवं क्षेत्रीय स्वायत्तता को जटिल रूप से संतुलित करके भारत के संघवाद में अद्वितीय विषमता को बनाए रखा है। न्यायालय द्वारा दिए गए प्रासंगिक पूर्ववर्ती निर्णयों की सहायता से चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The Supreme Court of India has upheld unique asymmetry in India's federalism by intricately balancing centralized authority and regional autonomy. Discuss with the help of relevant case laws. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'भारतीय संघवाद' को बनाए रखने हेतु 'सुप्रीम कोर्ट' ने ~~अपने कई निर्णयों के माध्यम~~ समय-समय पर कई निर्णय दिये है जोकि निम्नलत इस प्रकार है -

① डी.सी. वाधवा मामले में SC ने कहा कि राज्यपाल को बार-बार 'अध्यादेश' पारित करने से बचना चाहिए।

② 'कूपर वाद' में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल को 'राज्य सरकार द्वारा दिये गए सुझाव के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

③ 'कृष्णाकुमार मामले' में ~~स~~ सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल द्वारा लिये गए 'विधेयक संबंधी' निर्णय

को न्यायिक समीक्षा के अधीन माना।

4) (केशवानन्द भारती केस) में आधारभूत संरचना का सिद्धान्त प्रदान करके केन्द्र के असीमित शक्ति को सीमित किया।

सारत ये सभी उच्चतम न्यायालय के निर्णय केन्द्र सरकार की असीम शक्तियों पर अंकुश लगाते हैं तथा संघवाद की भावना में वृद्धि हेतु सहयोग प्रदान करते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. भारत में अनुसूचित जातियों के हितों के संरक्षण में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Evaluate the effectiveness of the National Commission for Scheduled Castes in safeguarding the interests of the Scheduled Castes in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

~~भारतीय~~ National commission for scheduled Castes (NCSC) एक संवैधानिक आयोग है जिसको Art - 338 के अन्तर्गत एक संवैधानिक संस्था का दर्जा प्राप्त है।

संरचना

- एक अध्यक्ष
- एक उपाध्यक्ष
- 5 अन्य सदस्य

NCSC की प्रभावशीलता

1) NCSC अनुसूचित जाति से संबंधित सरकारी कार्यक्रमो व योजनाओं का मूल्यांकन करती है तथा आवश्यक सुधार सरकार को प्रदान करती है।

2) राष्ट्रपति द्वारा ~~दिये~~ पूछे गए विषयो पर सुझाव प्रदान करती है ताकि SC के लिए बेहतर नीतियाँ व योजनाएँ बनायी जा सके।

3) SC के खिलाफ होने वाले भेदभाव के लिए (SUO MOTO) संज्ञान ले सकती है।

4) SC वर्ग का कोई व्यक्ति अपने से संबंधित समस्या हेतु SC से संपर्क कर सकता है

5) SC वर्ग के बेहतरी हेतु 'Best Practices' का मूल्यांकन करती है तथा उसको लागू करने हेतु सरकार को सुझाव देती है।

सीमाएं

→ आरक्षण संबंधी मुद्दो पर सुझाव व चर्चा नहीं देती है।

→ इसके सुझाव सलाहकारी है न कि बाध्यकारी।

भारत: NCSC जैसी संवैधानिक संस्थाएँ वर्ग को संरक्षित करने के साथ-साथ सरकार के उत्तरदायित्व को निभाने में महती भूमिका अदा करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. संसदीय समितियों के माध्यम से विधायिका के प्रति कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करना भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की पहचान रही है। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Executive accountability to the legislature through Parliamentary Committees has been the hallmark of the Indian political system. Comment. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संसदीय समितियाँ कार्यपालिका की जबावदेहिता सुनिश्चित करने में विधायिका की मदद करती है।

ये संसदीय समितियाँ दो प्रकार की होती है

स्थायी समिति
Eg: Public Account committe; (PAC)
सरकारी उपक्रम समिति
प्राककलन समिति
आदि

अस्थायी समिति
विशेषीकृत कार्य हेतु

संसदीय समिति का कार्य व महत्व –

1) PAC, CAG द्वारा जमा की गयी ऑडिट वार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा करती है तथा सरकार द्वारा किये गये व्यय के संबंध में उसकी जबाव देहिता तय करती है।

2) बजट में मंत्रालयों द्वारा किये गए (अनुदान माँग) की जाँच कर (बजटीय नियंत्रण) में सहयोग प्रदान करती है।

3) विभिन्न विरोधी विधेयको व मुद्दो पर JPC के माध्यम से व्यापक जाँच व विमर्श के माध्यम से पक्षो को प्रस्तुत करती है

Eg :- वक्फ कानून संशोधन को JPC द्वारा जाँच किया जा रहा है।

4) समितियाँ जाँच के द्वारा प्राप्त तथ्यों व गड़बड़ियों के संबंध में मंत्री को सदन में जबावदेह बना सकती है तथा इस आधार पर - अविश्वास प्रस्ताव भी ला सकती है।

सारत: ये संसदीय प्रक्रिया संसद के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. भारत नागरिक चार्टर को किस प्रकार शासन में सुधार करने और नागरिकों को सशक्त बनाने का एक शक्तिशाली उपकरण बना सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can India make Citizens' Charter a powerful tool for improving governance and empowering citizens? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नागरिक चार्टर (CC) एक प्रकार का नागरिकों को किसी संस्था द्वारा प्रदान किया गया अधिकार होता है। इसके माध्यम से संस्थाएँ अपनी सेवाओं के संबंध में नागरिकों को अधिकार प्रदान करती है।

शासन सुधार में CC की भूमिका-

1) संस्था में पारदर्शिता वृद्धि हेतु C.C. ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2) शासन द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता के संबंध में शासन को जवाबदेहिता सुनिश्चित करती है

3) सेवा संबंधी प्रश्न नागरिक शासन से प्रत्यक्षत: पूछ सकता है। (जन भागीदारी वृद्धि में)

नागरिकों को सशक्त बनाने में CC की महत्व -

1) नागरिक शासन व संस्था से सेवा की माँग कर सकते है

Eg : सरकारी अस्पताल 24×7 सर्विस से मना नही कर सकता है

2) PDS के अन्तर्गत यदि उपयुक्त लाभार्थी को ~~FRS~~ ~~sho~~ FPS मना करता है तो वे उसकी शिकायत कर सकते है।

3) मनरेगा के अन्तर्गत यदि किसी लाभार्थी को वंचित किया जाता है तो वे उसकी शिकायत कर सकते है।

अन्य महत्व → C.C. ने विधि के नियम को लागू करने में योगदान दिया,
→ गरीबों, वंचितों को समावेशी विकास की मुख्य धारा में लाया

सारतः CC ने (गुड गवर्नेंस) व (सेवोत्तम मॉडल) लागू करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभायी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. कॉर्पोरेट दानकर्ता भारत में समग्र विकास को सुविधाजनक बनाने में NGOs की किस प्रकार सहायता करते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How do corporate donors aid NGOs in facilitating holistic development in India? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कार्पोरेट दानकर्ता CSR तथा उसके अन्यत्र भी व्यापक स्तर पर NGO या अन्य सामाजिक समूहो को दान प्रदान करके सहायता प्रदान करते है।

Eg:- बिल्ल एंड मिलिंदा गेट्स द्वारा फाउंडेशन, टाटा द्वारा दान करना आदि।

समग्र विकास में NGO की सहायता कार्पोरेट दानकर्ता द्वारा निम्नलिखित्र तरीके से की जाती है।

1) NGO को वित्तीय सहायता प्रदान करके।

2) आवश्यक तकनीकी ज्ञान प्रदान करके।

3) NGOs को या किसी कार्यक्रम या योजना संबंधी आवश्यक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कौशल विकास में कार्पोरेट द्वारा सहायता प्रदान की जाती है

Eg:- उत्तराखण्ड के (निमाड़ी NGO) को पर्यावरण संरक्षण हेतु (TATA) ग्रुप द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाता है

4) SHGs के विकास में NGO द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है।

5) गेट्स फाउंडेशन द्वारा भारत के कई NGOs को स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न सहयोग प्रदान किया जाता है।

ये सहयोग NGOs द्वारा व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में भागीदारी निभाते हैं।

8. POCSO अधिनियम के गुणों के बावजूद, इसकी मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए क्या इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Despite its merits, should the POCSO Act be revisited to correct the existing inadequacies? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बालकों की यौन हिंसा से सुरक्षा हेतु POCSO अधिनियम को पारित किया गया था।

POCSO के गुण

- बच्चों को संरक्षण प्रदान करता है। (यौन हिंसा के खिलाफ)
- दोषी हेतु मं. कठोर दण्ड का प्रावधान है।
- 18 वर्ष से छोटे बच्चों को शारीरिक हिंसा से सुरक्षा प्रदान करता।
- (जुविनाइल हेल्प) प्रदान की जाती है।

POCSO की कमियाँ

- 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे यदि अपने 'consent' से संबंध बनाते हैं तो भी वह कानून के तहत रेप का प्रावधान करता है।
- वास्तविक स्तर पर ऐसे नियम किसी और लोकतांत्रिक देश में नहीं है।

अतः वर्तमान समय की माँग है कि इस पर पुनर्विचार करके इसको सुधार किया जाए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. चीन द्वारा वैश्विक स्तर पर रणनीतिक बंदरगाहों के अधिग्रहण के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मार्गों एवं आर्थिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
China's acquisition of strategic ports globally has significant implications for international trade routes and economic relations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चीन अपनी 'Debt trap' diplomacy के तहत विभिन्न राष्ट्रों में महत्वपूर्ण बंदरगाहों का अधिग्रहण कर रहा है।

Q9: श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह

निहितार्थ

- चीन अपनी वैश्विक पहुँच बढ़ाना चाहता है
- अपनी (सुपर पॉवर) के रूप में अभिव्यक्त करना चाहता है।
- BRI के द्वारा (रिंग ऑफ पर्ल) के 'Indian ocean' में अपनी दखल बढ़ाना चाहता है

→ भारत को प्रतिसंतुलित करना चाहता है।

भारत के लिए प्रभाव

→ हिन्द महासागर में उपस्थिति समस्या

→ CPEC द्वारा संप्रभुता को चुनौती।
(जम्मू कश्मीर)

→ ये सभी चुनौतियाँ भारत के लिए समस्या तथा चीन के लिए फायदे का कार्य करेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) के मुख्य कार्य क्या हैं? बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधनों और संबंधित पारंपरिक ज्ञान पर इसकी हालिया संधि से भारत को क्या लाभ होगा? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the main functions of the World Intellectual Property Organization (WIPO)? How will its recent treaty on intellectual property, genetic resources and associated traditional knowledge benefit India? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

WIPO के कार्य

- वैश्विक स्तर पर बौद्धिक संपदा व्यवस्था का सॉंकलन करना
- प्रदर्शन सूचकांक का निर्माण करना
- नवाचार में बेहतर कार्य कर रहे देशों संबंधी लिस्ट जारी करना
- विभिन्न देशों को बौद्धिक संपदा संबंधी मानको के निर्माण में सहायता प्रदान करना।

हालिया संधि से भारत को लाभ

- भारत अपने बौद्धिक संपदा अधिकार को विश्व के महत्वपूर्ण देशो में रख पायेगा।

↓ परिणाम

भारतीय दवाऐं EU व अमेरिका में प्रभाव जमाऐंगी,

- WTO के अन्तर्गत व्यापार में वृद्धि होगी।
- GM फसलो के निर्माण में सहयोग मिलेगा।
- नागोया व कार्टाजाना प्रोटोकाल से संबंधित लाभ मिलेगा।

अतः ये सभी लाभ इस संधी से प्राप्त होंगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. यद्यपि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) भ्रष्टाचार से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, फिर भी इसकी कार्यप्रणाली की प्रायः पक्षपातपूर्ण होने तथा संघीय भावना के विरुद्ध कार्य करने के लिए आलोचना की जाती है। समुचित उदाहरणों की मदद से चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
While the Central Bureau of Investigation (CBI) plays a crucial role in combating corruption, its functioning is often criticized for being partisan and acting against the federal spirit. Discuss with the help of suitable examples. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

CBI की स्थापना भ्रष्टाचार को रोकने हेतु 'संथानम कमेटी' की अनुशंसा पर 'Delhi Police special establishment Act - 1946' के अन्तर्गत हुयी थी।

CBI की महत्वपूर्ण भूमिका

(1) भ्रष्टाचार को कम करने में

- लोकपाल के सहयोग हेतु कार्य करना
- ED के साथ मिलकर भ्रष्टाचार के से संबंधित मामलो को हल करना
- 'सत्यम घोटाले' को CBI द्वारा ही पर्दाफाश किया गया था।

② अन्य भूमिका

- बड़े आपराधिक मामलों की छान-बीन में सहयोग
- High court व supreme court (sc) के आदेश पर बड़े मामलों को देखना।
  eg:- हालिया R.G. Kar medical रेप मामला.
- राज्यों द्वारा सहायता माँगने पर जाँच करना।
  eg:- हाथरस भगदड़ कांड (U.P.)

किन्तु इन महत्वपूर्ण सहयोग के बाद भी CBI पर पक्षपातपूर्ण होने के आरोप लगते रहते है।

CBI की सीमाएँ व आरोप

1) कई राज्यों द्वारा (General consent) वापस ले लिया गया है

2) (दिल्ली राज्य सरकार) द्वारा 'एक्साइज मामले' में CBI द्वारा पक्षपातपूर्ण कार्य करने का आरोप लगा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) SC द्वारा CBI के '~~कार्य संबंधी~~' गतिविधि के कारण 'पिंजरे में बंद तोता' कहा गया है याने CBI केन्द्र सरकार के ~~अ~~ दिशा-निर्देश अनुसार कार्य करती है।

4) कई विपक्षी पार्टियो (केन्द्र से विपरीत) द्वारा ~~CB~~ आरोप लगाया गया है कि सरकार CBI का प्रयोग विपक्ष को कमजोर करने हेतु कर रही है।

Eg :- तमिलनाडु की DMK व महाराष्ट्र की शिवसेना (UBT) द्वारा ऐसा आरोप लगाया गया।

way forward :- CBI एक स्वायत्त संस्था है अत: उसकी कार्य-प्रणाली में दखल न दिया जाए।

सारत: CBI का कार्य विभिन्न मामलो को समाधान करके (संघवाद) में सहयोग करना है अत: राज्य व केन्द्र द्वारा इसके प्रयोग को राजनीतिक हस्तक्षेप से बाहर रखना चाहिए।

12. भारत में राज्यपाल प्रायः अपनी संवैधानिक भूमिका का अतिक्रमण करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से कार्य करने में विफल रहते हैं। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Governors in India often overstep their constitutional role and fail to act effectively when needed. Comment. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राज्यपाल प्रत्येक राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा केन्द्र सरकार की अनुशंसा पर की जाती है।

राज्यपाल के संबंध में उसकी भूमिका व कार्यप्रणाली पर समय-समय पर राज्य सरकारों द्वारा प्रश्नचिन्ह लगाया जाता है।

राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका

1) राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में।
2) किसी भी विधेयक के अधिनियम बनने हेतु अन्तिम हस्ताक्षर व निर्णय
3) सरकार निर्माण में (विधानसभा के संदर्भ में)
4) बजट प्रस्तुत करवाने हेतु सभा आहूत करना
5) कार्यपालिकाकी प्रमुख की भूमिका निभाना।
6) अध्यादेश पारित करना (213)
7) संवैधानिक नियुक्ति करना आदि

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राज्यपाल द्वारा अपनी भूमिका का अतिक्रमण —

① तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा बजट भाषण के कुछ प्रसंगो को पढ़ने से मना करना।

② कई बार सरकार निर्माण के समय परंपराओ का उल्लंघन करना।

Eg :- महाराष्ट्र सरकार निर्माण मामला।
(डी. सी. वाधवा केस का उल्लंघन)

③ Art-200 के अन्तर्गत विधेयक को राष्ट्रपति हेतु अनिश्चित काल के लिए लंबित रखते है।

राज्यपाल द्वारा अप्रभावी ढंग से किए गए कार्य -

1) सदन के सदस्यो को समयपूर्वक सदन का शपथग्रहण न कराना।

Eg :- (बंगाल असेंबली) मामला

2) ~~सहमति~~ व पहले किसी विधेयक को पुनर्विचार हेतु भेजना तदुपरान्त राष्ट्रपति के लिए आरक्षित कर देना।

Eg:- केरल के राज्यपाल द्वारा ऐसा किया गया।

3) राज्य विश्वविद्यालयों में vice-chancellor को नियुक्त करने के संबंध में राज्यपाल - राज्यसरकार के बीच तनाव दिखता है

Eg:- → केरल
→ पश्चिम बंगाल

सारत: राज्यपाल का कार्य (सहकारी संघवाद) को बढ़ाना है। अत: उसे सरकारिया व पुंछी कमीशन द्वारा अनुशंसित सुझावो का पालन करते हुए (संघवाद) को बढ़ावा देना चाहिए।

13. भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों में ही लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अनुपालन किया जाता है, लेकिन उनकी निर्वाचन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भिन्नताएं विद्यमान हैं। दोनों देशों की निर्वाचन पद्धतियों में मुख्य भिन्नताएं क्या हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Both India and the USA adhere to democratic principles but their electoral systems exhibit significant differences. What are the key differences in electoral practices between the two countries? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

USA विश्व का सबसे पुराना लोकतन्त्र है तो भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है। दो ही देशो ने लोकतान्त्रिक सिद्धान्तो का बाकायदा पालन किया है

- संवैधानिक प्रमुख → चुनाव या नियुक्ति
- स्वतन्त्रता, समानता को स्थापित किया है
- प्रतिनिधि चुनाव के माध्यम से आते है
- विधि का निर्माण चुने हुए प्रतिनिधियों की सभा के द्वारा होता है
- लोकतान्त्रिक मूल्य ÷ fundamental Right को दोनो देश सर्वाधिक महत्व देते है।
- वास्तविक शक्ति का स्रोत 'जनता' के अन्दर निहीत है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त लोकतान्त्रिक मूल्यों को धारण करने के बावजूद USA व भारत की निर्वाचन पद्धतियों के बीच ~~व~~ व्यापक अन्तर विद्यमान है,

निर्वाचन ~~पद्धति~~ व्यवस्था

USA	India
→ राष्ट्रपति का प्रत्यक्ष चुनाव होता है	→ राष्ट्रपति अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है। (समानुपातिक प्रक्रिया के माध्यम से)
→ यहाँ पर राष्ट्रपति के चुनाव हेतु पहले (Intra-Party) चुनाव होते है उसके बाद विभिन्न दलो के बीच प्रत्यक्ष चुनाव होता है	→ भारत में (Intra-Party) के चुनाव संबंधी कोई प्रणाली नहीं है बल्कि बहुदलीय चुनाव द्वारा एक बार में ही चुनाव होता है।

निर्वाचन पद्धतियाँ

(P) USA -

① राष्ट्र प्रमुख (President) व उपराष्ट्रपति का चुनाव प्रत्यक्ष रुप से 4 वर्ष के लिए होता है

② सीनेट (उच्च सदन) में प्रत्येक राज्य के 2 सदस्य होते है जिनको उस राज्य की (विधान सभा) द्वारा भेजा जाता है।

भारत

① भारत में लोकसभा का चुनाव प्रत्यक्षत: जनता द्वारा होता है तथा (प्रधानमन्त्री) सबसे बड़ा दल या (गठबंधन) के माध्यम से सरकार का वास्तविक प्रमुख बनता है

② चुनाव (लोकसभा व विधानसभा) में 'first past the post system' व राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के मामले में (समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली) का प्रयोग किया जाता है।

अत: दोनो देश लोकतान्त्रिक होते हुए भी विभिन्न पद्धतियों के माध्यम से चुनाव लड़ते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. आप इस दृष्टिकोण से किस हद तक सहमत हैं कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने भारत में पर्यावरणीय न्याय सुनिश्चित करने के अपने उद्देश्य की पूर्ति की है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
How far do you agree with the view that the National Green Tribunal (NGT) has met its objective of ensuring environmental justice in India? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरणीय न्याय को सुनिश्चित करने हेतु NGT Act - 2010 के द्वारा NGT की स्थापना की गयी थी।

NGT का उद्देश्य

1) पर्यावरणीय संबंधी मामलो को जल्द-से-जल्द निपटान करके पर्यावरणीय न्याय सुनिश्चित करना।

2) सामान्य न्यायालयो पर पड़ने वाले बोझ को कम करना। (HC & SC पर)

3) विशेषीकृत विशेषज्ञो द्वारा पर्यावरणीय तकनीकी पक्षो का हल निकालना।

4) प्रदूषण संबंधी मामलो पर (suomoto) संज्ञान लेकर मानव जीवन को सुरक्षित करना। (M.C मेहता वाद में SC ने स्वच्छ पर्यावरण को Art-21 के अन्तर्गत जीवन का अधिकार माना।

5) EIA संबंधी मामलो का त्वरित निपटान करना। ताकि पर्यावरणीय न्याय व योजना समय से लागू हो पाये।

NGT की सीमाएँ

1) मामलो के निपटान में अत्यधिक समय लग रहा है
2) पेंडिंग केसस बढ़ते जा रहे है
3) (नियुक्ति) की कमी है
4) Andaman & Nicobar के 'मेगा डेवलमेंट' प्रोजेक्ट में विरोध के बाद भी NGT द्वारा हस्तक्षेप नहीं किया गया है।

अत: इन समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कदम उठाये जाने चाहिए -

① NGT में खाली पदो को जल्द-से-जल्द भरना।

② पर्यावरणीय मामलो से संबंधित केसेस में NGT के निर्णय को सर्वोच्चता प्रदान करना।

③ निर्णय को समय-सीमा के दायरे में लाना।

④ प्रौद्योगिकी को (e-क्रान्ति) NGT के कार्यों से जोड़ना ताकि e-court को सुविधा बढ़ायी जा सके।

सारत: M.K. रंजीत सिंह वाद में SC द्वारा 'जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से संरक्षण' को Art-14 व Art-21 के अन्तर्गत मौलिक अधिकार माना है ऐसे में 'NGT' का महत्व व उत्तरदायित्व और बढ़ जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. यद्यपि पंचायती राज संस्थाएं (PRIs) प्रतिस्पर्धी राजनीति के लिए एक मंच बन गई हैं, किंतु इनका नियोजन एवं सेवा वितरण की एजेंसी के रूप में उद्भव नहीं हुआ है। क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Though Panchayati Raj Institutions (PRIs) have become a platform for competitive politics, they have not emerged as an agency of planning and service delivery. Why? (Answer in 250 words)15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) को मजबूत व सशक्त बनाने हेतु 73 वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में भाग - 9 जोड़ा गया तथा पंचायतो के निर्माण को संवैधानिक अनिवार्यता प्रदान किया गया।

PRIs का महत्व क्यों?

1) जनता से प्रत्यक्षत: सरोकार करना तथा उनकी समस्या-समाधान हेतु (निकट प्रशासन) सहयोग प्रदान करना।

2) (लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण) व (सहभागी लोकतन्त्र) को लागू करने में पंचायत का अत्यधिक महत्व है।

3) जनता शासन व प्रशासन से प्रत्यक्षत: जुड़ पाती है।

PRIs का योगदान

1) महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा।
↳ $\frac{1}{3}$ पद महिला हेतु आरक्षित

2) SC व ST समुदाय हेतु आरक्षण द्वारा उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व में वृद्धि।
↳ सामाजिक न्याय को

3) (पेसा अधिनियम) के तहत जनजातीय क्षेत्रों में इसको लागू कर उनका विकास सुनिश्चित करना

4) कई राज्यों द्वारा OBC के लिए आरक्षण दिया गया है।
↳ सामाजिक न्याय को

5) पितृसत्तात्मक मानसिकता को कम करने में PRIs का महत्वपूर्ण योगदान है।

ये सभी योगदान प्रतिस्पर्धी राजनीतिक में सहयोगी हुए किन्तु नियोजन व सेवा वितरण की एजेंसी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

के रूप में PRIs का विकास नहीं हुआ।
क्योंकि -

1) PRIs को सीमित विषयों पर अधिकार प्रदान किये गए.
Eg:- अनुसूची - II → 29 विषय

2) फंड / वित्त हेतु राज्य सरकारों पर ही निर्भरता है।

3) योजनाओं का निर्माण तथा संबंधित सेवा वितरण में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा (Top-to-Bottom) एप्रोच का पालन किया जाता है।

4) (स्थानीय संसाधनों) के प्रयोग पर भी कई रूपों में PRIs की शक्ति सीमित है।

सारतः गांधी के (पंचायती राज) के सपने तभी साकार होंगे जब PRIs को (Bottom--Up) एप्रोच के तहत अधिकार शक्तियाँ प्रदान की जायेंगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

16. ई-गवर्नेंस में अंतरसंचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी) से आप क्या समझते हैं? विभिन्न ई-गवर्नेंस प्रणालियों की अंतरसंचालनीयता एवं एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What do you understand by interoperability in e-governance? What steps have been taken by the government to ensure interoperability and integration of various e-governance systems? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शासन में ICT (कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट) के प्रयोग को e-गवर्नेंस कहते हैं।

e-गवर्नेंस में अंतर संचालनीयता का संबंध सरकार के विभिन्न विभागों, संस्थाओं के मध्य शासन संबंधी कार्यों को ICT के प्रयोग द्वारा बढ़ावा देना।

Eg: सरकार की (e-क्रान्ति पहल) (SO+ e-सेवा)

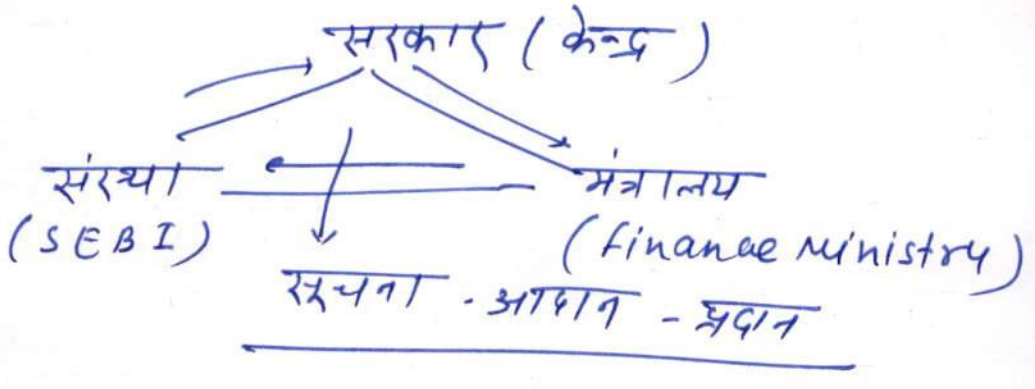

e-गवर्नेंस में इंटरऑपरेबिलिटी का महत्व-

(1) कार्यों में तेजी आती है।

② योजनाओं से संबंधित नीति - निर्माण व क्रियान्वयन में जल्दी होती है।

③ 'एकीकरण' के वृद्धि से संसाधनों व समय का सर्वोत्कृष्ट प्रयोग हो पाता है

Eg: P. M. गति शक्ति हेतु 16 मंत्रालयों के बीच e-governance को बढ़ाना।

④ पारदर्शिता व जवाबदेहिता में वृद्धि होती है।

इस संबंध (अंतरसंचालनीयता + एकीकरण) में किये गए सरकारी प्रयास -

① DBT संबंधी सभी सहयोग हेतु PFMS पोर्टल लांच करना।

② (उमंग ऐप) के माध्यम से सभी सरकारी (केन्द्र व राज्य) सेवाओं व योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना।

③ कोर्ट के लिए e-court की सुविधा शुरू करना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(4) कृषि संबंधी जानकारी हेतु विभिन्न राज्यों के कृषि विभाग को e-कनेक्टीविटी प्रदान करना।

(5) किसान बाजार विपणन से जुड़ सके उसके लिए e-NAM की सुविधा।

(6) ग्रामीण क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की 'GIS' मैपिंग तथा उनको इंटरनेट से जोड़ना ताकि उसकी प्रगति पर जनता व सरकार दोनो के द्वारा ध्यान दिया जा सके।

चुनौती
→ व्यापक डिजिटल अवसंरचना आवश्यकता के कारण लागत अधिक
→ 'डिजिटल लिटरेसी' व 'डिजिटल डिवाइड' की समस्या (ग्रामीण क्षेत्र ज्यादा प्रभावित)
→ साइबर असुरक्षा।
→ निजता उल्लंघन खतरा (Art-21 का उल्लंघनकारी वाद)

सारतः सरकार सेवा वितरण बेहतर करने व e-governance को बढ़ावा देने हेतु 'e-क्रान्ति' पहल के द्वारा 'गुड-गवर्नेंस' को बढ़ावा दे रही है।

17. जब भारत में महिलाओं के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य की बात आती है, तब अधिकार-आधारित विमर्श को न केवल सामाजिक मानदंडों द्वारा बल्कि कानूनी मानदंडों द्वारा भी बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया गया है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

When it comes to sexual and reproductive health of women in India, rights-based discourse has largely been bypassed not just by the societal norms but also by the legal norms. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

NHFS-5 के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी मानको में ग्रामीण क्षेत्रो व महिलाओं की स्थिति तुलनात्मक रुप से खराब है।

इनमें से भी यौन व प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य की ज्यादा दयनीय स्थिति है इसके विभिन्न कारण निम्नलिखित है।

1) 'यौन स्वास्थ्य' को लेकर सामाजिक मानदण्ड विभेदक है इसके बारे में जागरुकता का अभाव है।

2) ग्रामीण क्षेत्रो में (संस्थागत प्रसव) को कलंक की निगाह से देखा जाता है।

3) (यौन स्वास्थ्य) संबंधी सुरक्षा को सामाजिक स्तर पर खराब दृष्टिकोण से देखा जाता है

Eg :- (मेंसट्रुअल हाइजीन) के बारे में

पैडमैन मूवी। में दिखाया गया।

4) बालिकाओ व महिलाओं पर स्वास्थ्य खर्च करने से सामान्यतः परिवार बचते है। (बेटे को ज्यादा महत्व देते है)

दरअसल ये समस्याएँ इसलिए भी है क्योंकि (स्वास्थ्य सुरक्षा) को अधिकार के रूप में नहीं देखा जाता है। जबकि - कानूनी मापदण्डो पर भी इसका उल्लंघन हुआ है जैसे -

① National Health Mission को प्रभावी रूप से न लागू करना

② महिला स्वास्थ्य हेतु प्रभावी कानून का अभाव

③ (यौन सुरक्षा) हेतु (सेनेटरी पैड) व बेसिक इंफ्रा संबंधी कानून का अभाव है।

किन्तु महिला यौन व प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हेतु कुछ महत्वपूर्ण प्रयास किये गए है। जैसे-

1) प्रजनन स्वास्थ्य हेतु पोषण अभियान 2.0 व सक्षम आँगनबाड़ी कार्यक्रम।

2) 'संस्थागत प्रसव' प्रोत्साहन हेतु (मातृत्व लाभ योजना)।

3) (यौन स्वास्थ्य) हेतु जागरूकता कार्यक्रम तथा (आशा) कार्यकर्त्री द्वारा संपर्क करना।

4) (आयुष्मान भारत योजना) द्वारा स्वास्थ्य बीमा प्रदान करना।

विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी उपाय के बावजूद अभी भी महिला स्वास्थ्य हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाने जरूरी है तभी SDG-2 व SDG-3 के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

18. पिछले कुछ वर्षों में भारत टीकाकरण कवरेज को बढ़ाने में कितना प्रभावी रहा है? देश में टीकाकरण के प्रयासों को प्रभावित करने वाली चुनौतियां कौन-सी हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How effective has India been in enhancing immunization coverage over the years? What challenges continue to affect immunization efforts in the country? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत अपने (इन्द्रधनुष) मिशन के तहत टीकाकरण को व्यापक स्तर पर बढ़ा रहा है ताकि अधिकतम लोगो तक टीकाकरण सुविधा को पहुँचाया जा सके।

भारत के टीकाकरण कवरेज की प्रभाविता -

(1) (वाल्ड पोलियो) के मामलो का भारत से पूर्ण उन्मूलन हो चुका है।

(2) टीटनेस, काला-अजा जैसी बीमारियों को रोकने हेतु प्रभावी रुप से टीकाकरण का प्रयोग हो रहा है।

(3) टीकाकरण कवरेज के तहत भारत महिला, बच्चे व किशोरियों को लक्षित कर

रहा है।

4) Covid-19 जैसे महामारी संबंधी टीकाकरण को भारत ने बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया।

5) काफी सारे बीमारियों के उन्मूलन में भारत ने उल्लेखनीय कार्य किया है।

समक्ष विद्यमान चुनौतियाँ

1) ~~टीका~~ वैक्सीन को सुरक्षित रखने वाले इंफ्रा का अभाव है।
(‘कोल्ड स्टोरेज बॉक्स’)

2) टीका लगाने वाले (कुशल कर्मियों) का अभाव है।

3) Covid-19 जैसी महामारियाँ टीकाकरण की गति को रोक देती है। जो पोलियो जैसी बीमारियों के पुनः प्रसार में

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

सहायता प्रदान कर सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

d) सुदूर क्षेत्रों तक कनेक्टीविटी अभाव के कारण कई समस्याएँ आती है

e) शिक्षा व जागरूकता अभाव के कारण कई लोग टीकाकरण करवाने से बचते है।

टीकाकरण हेतु कार्यक्रम

- मिशन इंद्रधनुष
- आंगनबाड़ी व ANM के माध्यम से कुछ महीनों के अन्तराल पर (पोलियो) वैक्सीन देना।
- covid-19 में वैक्सीन प्रदान करना।

इसी वैक्सीन पहल को बढ़ावा देने हेतु भारत GAVI व WHO जैसी संस्थाओं के साथ कार्य कर रहा है ताकि सार्वजनिक टीकाकरण को लक्षित किया जा सके।

19. भारत ने G20 की अपनी अध्यक्षता का उपयोग वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को केंद्रीय मंच पर लाने के लिए किया है। अफ्रीका के विशेष संदर्भ के साथ चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
India used its Presidency of the G20 to bring the voice of the Global South to the centre stage. Discuss with special reference to Africa. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में भारत ने G-20 की अध्यक्षता की तथा अफ्रीकन यूनियन (AU) को 21वें सदस्य के रूप में शामिल करवाया।

भारत की यह पहल 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' व 'ग्लोबल साउथ' को मजबूती प्रदान करने हेतु की गयी।

भारत के लिए अफ्रीका का महत्व

1) भारत अफ्रीका के साथ अपने आर्थिक हितों को बढ़ा सकता है

2) Eg: भारत - साउथ अफ्रीका के बीच $ 20 bn का व्यापार है

2) कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को बढ़ावा मिल सकता है

Eg: India-Japan द्वारा India - Africa Growth Corridor का निर्माण किया जा रहा है

3) सुरक्षा प्रदान करने में.

↳ पाइरेसी के खिलाफ

↳ चीन प्रतिसंतुलन में

↳ (IOR) व (SAGAR) पहल के अन्तर्गत

4) भारतीय प्रवासी की सुरक्षा में सहयोगी भूमिका प्रदान कर सकता है।

5) अफ्रीका प्राकृतिक संसाधनो से परिपूर्ण है जोकि भारत की खनिज आवश्यकता की पूर्ति कर सकता है

6) 'चीता पुनर्स्थापना कार्यक्रम' में अफ्रीका ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

7) P2P कनेक्टीविटी व सांस्कृति सहयोग (Track 3 diplomacy) को बढ़ावा देने में अफ्रीका का अत्यधिक योगदान है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

G20 के संदर्भ में अफ्रीका का महत्व -

(1) AU के शामिल होने से G-20 की राजनीतिक स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर बढ़ जायेगी।

(2) G-20 के निर्णय और समावेशी प्रकृति के हो जायेंगे।

(3) वैश्विक समस्याओं - जलवायुपरिवर्तन, आतंकवाद आदि मुद्दो पर व्यापक चर्चा हो पायेगी।

(4) (ग्लोबल साउथ) का रिप्रजेंटेशन बढ़ेगा।

भारत: AU का G20 में शामिल होना भारत के लिए शुभ संकेत है; अत भारत को अपनी 'Devlopement Diplomacy' का प्रयोग करते हुए संबंधो को प्रगाढ़ करना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

20. पिछले दशक में भारत और UAE के बीच संबंधों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
India's relationship with the UAE has witnessed a remarkable expansion across various domains in the last decade. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत व UAE के बीच में पिछले 2 दशकों से संबंधो में प्रगाढ़ता बढ़ रही है। UAE में भारत का सबसे बड़ा प्रवासी समूह रहता है।

भारत - UAE सहयोग संबंध -

1) आर्थिक सहयोग

→ हाल ही में India - UAE ने (CEPA) नामक FTA पर समझौता किया है

→ (रेमीटेंस) का एक बड़ा स्रोत

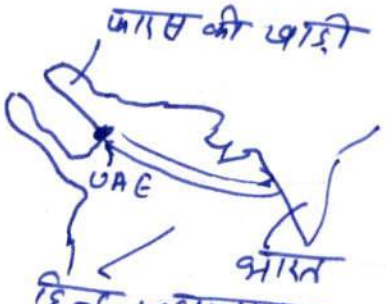

2) तकनीकी सहयोग

→ इसरो द्वारा - UAE स्पेस एजेंसी को तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाता है

3) कनेक्टिविटी सहयोग

IMEC कॉरिडोर भारत को यूरोप से UAE (अल हदिता) के माध्यम से जोड़ेगा

4) ऊर्जा सहयोग

भारत अपने तेल आयात का बड़ा हिस्सा UAE से करता है

5) संस्थागत सहयोग

BRICS व I_2U_2 के माध्यम से,

6) समुद्री सुरक्षा सहयोग

IOR एसोसिएशन व (SAGAR) मिशन का भाग UAE भी है।

7) सांस्कृतिक सहयोग

एक बड़ी आबादी के UAE में रहने के कारण UAE ने हाल में (स्वामी नारायण मंदिर) (BAPS) के निर्माण को अनुमति प्रदान की।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

(8) UNSC में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन UAE करता है।

(B) इतने सहयोग के बाद भी कुछ चुनौतियाँ व्याप्त है-

(1) समुद्री सुरक्षा संबंधी चिंता.

↳ पाइरेसी, तस्करी आदि

(2) GCC का सदस्य होने के कारण UAE द्वारा भी (इस्लामिक विचारों) संबंधी मतभेद कभी-कभी देखने को मिलते है।

जैसे :- CAA के संबंध में UAE ने विरोध जताया था।

भारत : UAE - India के संबंध वर्तमान में बहुत बेहतर है जो भारत (Look west) नीति को प्रगाढ़ता प्रदान करता है तथा (पश्चिम एशिया) में भारत की स्थिति को मजबूती प्रदान करता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK